

संख्या : — /XXIV(6)/2014

प्रेषक:

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. कुलपति,
दून विश्वविद्यालय,
देहरादून।

2. कुलपति,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-6

देहरादून दिनांक: 04 मार्च, 2014

विषय : गढ़वाली एवं कुमाऊँनी भाषाओं को पढ़ाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य एक पर्वतीय राज्य है और इसकी अपनी समृद्ध संस्कृति है एवं इस समृद्ध संस्कृति की आंचलिक भाषाएं मूलतः गढ़वाली एवं कुमाऊँनी अस्तित्व में हैं। अतः गढ़वाली एवं कुमाऊँनी भाषाओं को समृद्ध किये जाने एवं बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णय के क्रम में गढ़वाल मण्डल में दून विश्वविद्यालय, देहरादून एवं कुमाऊँ मण्डल में कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के अल्मोड़ा कैम्पस में गढ़वाली एवं कुमाऊँनी भाषा के उन्नयन हेतु एक-एक विभाग (Department) स्थापित की जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-280(P)/xxvii(3)/2013-2014 दिनांक 04 मार्च 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किया जा रहा है।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव

संख्या: 12(28)/XXIV(6)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, गोपन (मंत्रिमण्डल) अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, देहरादून।
3. कमीशनर, गढ़वाल एवं कुमाऊँ।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
5. कुलसचिव, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।
6. कुलसचिव, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
7. वित्त अधिकारी, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।
8. वित्त अधिकारी, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
9. कोषागार, देहरादून।
10. कोषागार, नैनीताल।
- ✓ 11. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय प्रशासन, देहरादून, उत्तराखण्ड।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(मनीषा पंवार)
सचिव।